वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report 2010 - 2011

Empowering change for a better tomorrow.

बैंक ऑफ़ इंडिया
रिश्तों की जमापूँजी

विषय सूची	पृष्ठ संख्या	CONTENTS	PAGE NO.
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य	1	Chairman & Managing Director's Statement	30
निदेशक रिपोर्ट	4	Directors' Report	33
कंपनी अभिशासन रिपोर्ट	59	Corporate Governance Report	59
तुलन-पत्र	78	Balance Sheet	78
लाभ एवं हानि खाता	79	Profit & Loss Account	79
लेखे पर टिप्पणियां	95	Notes on Account	95
लेखापरीक्षक की रिपोर्ट	121	Auditors' Report	121
बैंक की समेकित वित्तीय विवरणी	123	Consolidated Financial Statement of the Bank	123
बासल II (स्तम्भ 3) प्रकटीकरण (समेकित)	162	Basel II (Pillar 3) Disclosures (Consolidated)	162
वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना	191	Notice of the Annual General Meeting	191
परोक्षी फार्म	197	Proxy Form	198
उपस्थिति पत्र	199	Attendance Slip	199
दृष्टिकोण, लक्ष्य वक्तव्य एवं गुणवत्ता नीति	200	Vision, Mission Statement and Quality Policy	200

निदेशक
Directors

आलोक मिश्रा
Alok K Misra
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Chairman & Managing Director

बी. ए. प्रभाकर
B. A. Prabhakar
कार्यपालक निदेशक
Executive Director

एन. शेषाद्री
N. Seshadri
कार्यपालक निदेशक
Executive Director

तरुण बजाज
Tarun Bajaj

पी.के. पांडा
P.K. Panda

एम. एन. गोपीनाथ
M. N. Gopinath

प्रकाश पी. माल्या
Prakash P. Mallya

पी. एम. सिराजुद्दीन
P. M. Sirajuddin

डॉ. शांताबेन चावडा
Dr. Shantaben Chavda

हरविंदर सिंह
Harvinder Singh

के.के. नायर
K.K. Nair

सांविधिक लेखा परीक्षक
Statutory Auditors

सुंदरम एंड श्रीनिवासन
Sundaram & Srinivasan

अग्रवाल एंड सक्सेना
Agarwal & Saxena

शंकरन एवं कृष्णन
Sankaran & Krishnan

चतुर्वेदी एवं शाह
Chaturvedi & Shah

एल. बी. झा एवं कंपनी
L B Jha & Co

कर्णावत एंड कंपनी
Karnavat & Co.

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India

(भारत सरकार का उपक्रम)
(A Government of India Undertaking)

प्रधान कार्यालय

स्टार हाउस, सी-5, "जी" ब्लॉक,
बांद्रा-कुर्ला संकुल, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051.
फोन नं.: 66684444
वेबसाइट: www.bankofindia.co.in

HEAD OFFICE

Star House, C-5, `G' Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai - 400 051. Phone: 66684444
E-mail: headoffice.share@bankofindia.co.in
Website: www.bankofindia.co.in

महत्वपूर्ण सूचनाएँ		Important Information	
प्रस्तावित लाभांश	₹ 7/- प्रति शेयर (70%)	Proposed Dividend	₹ 7/- per share (70%)
लेखा बंदी	09.07.2011 से 14.07.2011	Book Closure	09.07.2011 to 14.072011
वार्षिक सामान्य बैठक की तिथि एवं समय	गुरुवार 14.07.2011 3.30 P.M.	Date & Time of AGM	Thursday 14.07.2011 3.30 P.M.
वार्षिक सामान्य बैठक का स्थान	सर सीताराम एंड लेडी शान्ताबाई पाटकर कन्वोकेशन हॉल, 1 नाथीबाई ठाकरसी रोड, क्वीन्स रोड, फोर्ट, (चर्चगेट रेल्वे स्टेशन के करीब), मुंबई - 400 020	AGM Venue	Sir Sitaram and Lady Shantabai Patkar Convocation Hall, 1 Nathibai Thackersey Road, Queens Road, Fort, (Near Church Gate Railway Station), Mumbai - 400 020

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारकों,

31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष के लिए आपके महान तथा लंबे समय से कार्यरत संस्था की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही हे।

हम नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं, बीते वर्ष पर सरसरी नजर डालना शिक्षाप्रद होगा तथा आगे आने वाली चुनौतियों तथा अवसरों का जायजा मिलेगा।

वर्ष 2010 में वैश्विक वसूली और अधिक देशों को सम्मिलित करते हुए और शक्ति अर्जित की, परिपक्वता प्राप्त की तथा विस्तारित हुई। 2010 के प्रथम अर्धवर्ष में वसूली प्रक्रिया का अनिश्चय नवबंर 2010 के आरम्भ से जून 2011 तक जारी होने से यूएस डॉलर 600 बिलियन की परिमाणत्मक सुगमता का दूसरा अंश घोषित करने के लिए प्रेरित हुआ। विश्व के प्रमुख केन्द्रीय बैंकों जैसे फेड, ईसीबी तथा बैंक ऑफ़ इग्लैंड द्वारा सरल मौद्रिक उद्देश्य के क्रम में वैश्विक मंदी के दोहरे गिरावट से बचने के लिए 2010 में वैश्विक जीडीबी में सशक्त वसूली के लिए सहायक हुई।

अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक निधि की भविष्यवाणी के अनुसार 2010 में 5% वृद्धि की तुलना में 2011 में विश्व उत्पादन 4.4% तक रहेगा। विकासशील देशों के अंतर्गत "विकासशील एशिया" (चीन, भारत तथा एएसईएन-5) का विकास 2011 में 8.4% अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त, विश्व व्यापार संस्था के अनुमान के अनुसार 2010 में 14.5% की उल्लेखनीय वृद्धि की तुलना में 2011 में 6.5% विकास की संभावना है। 2011 में वैश्विक कारोबार विकास में विकाशील अर्थव्यवस्था के अग्रणी रहने की संभावना है। नीतिगत मंच के रूप में जी-20 के सशक्तीकरण का भी वर्ष 2010 गवाह रहा। सशक्त, अनवरत तथा संतुलित वृद्धि के लिए जी-20 प्रतिबद्ध है जो भावी वैश्विक अर्थव्यवस्था का शगुन है।

यद्यपि प्रथम तीन तिमाहियों में 8.0% वृद्धि दर्ज करने के बाद 2010-11 की चतुर्थ तिमाही में 7.8% की सामान्य वृद्धि रही। केन्द्रीय सांख्यिकीय संस्था (सीएसओ) के अनुमानित गणना के अनुसार 2009-10 में 0.4% की तुलना में दो वर्ष के अन्तराल में सामान्य मानसून ने कृषि में 6.6% वृद्धि की। संपदा क्षेत्र में उत्पादन की धीमी गतिविधि का अंदाजा अप्रत्यक्ष कर के महत्वपूर्ण वृद्धि से लगाया जा सकता है। 2010-11 में उच्च वृद्धि का कारण केवल घरेलू मांग ही नहीं रही बल्कि उसी तरह मजबूत बाहरी मांग भी समानान्तर चलती रही। 2010-11 में भारतीय निर्यात 37.6% बढ़ा। अप्रैल 2010 तथा मार्च 2011 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में सूचकांक की वृद्धि भी प्रदर्शित हुई। 2010-11 के दौरान एफआईआईएस अन्तर्वाह लगभग यूएस डॉलर 20 बिलियन रहा।

उच्च वृद्धि के साथ 2010-11 के प्रमुख भाग में अर्थव्यवस्था उच्च स्तरीय मुद्रास्फिति की गवाह रही। मुद्रास्फिति रोकने के लिए मार्च 2010 के आरंभ से भारतीय रिज़र्व बैंक ने 8 बार पॉलिसी दर में वृद्धि की। यद्यपि उधार दर पॉलिसी दर के अनुसार रहा। बैंकों ने 2010-11 में अपने ऋण पोर्टफोलियो में समुचित रूप से उच्च वृद्धि दर्ज की तथा अर्थव्यवस्था सशक्त मांग प्रभाव प्रदान की। बैंकिंग प्रणाली के लिए अग्रिम में 21.4% की वृद्धि हुई जो भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 20% वार्षिक लक्ष्य वृद्धि से अधिक है। यद्यपि जमाराशि वृद्धि में भारतीय रिज़र्व बैंक के 2010-11 हेतु 18% लक्ष्य में गिरावट आई तथा केवल 15.8% की वृद्धि रिकार्ड की। प्रतिरोधात्मक नकदी कमी की वजह से कम जमाराशि वृद्धि को विस्तारित अवधि के योगदान हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ अपेक्षित 3 जी राजस्व नीलामी राशि से सरकार की पार्किंग अधिक रही।

वृद्धिशील क्रूड तथा उपयोगी वस्तु की कीमतें मुद्रास्फिति पर मांग दबाव सहित संलग्न हो गई जिसे पिछले कुछ महीनों में पाया गया तथा अर्थव्यवस्था का वित्तीय वर्ष 2011-12 में प्रवेश करने के प्रमुख पॉलिसी चुनौती के मुद्रास्फिति प्रबंधन के रूप में प्रस्तुत किया गया। मौद्रिक नीति उपायों तथा आधार रूप पभाव से अपेक्षित है कि मुद्रास्फिति स्तर को नीचे लाया जाए जिससे मिडीयम टर्म में उच्च वृद्धि गति बरकरार रहे। सशक्त लीड, विनिर्माण तथा सेवाओं के लिए संकेतक है, सामान्य मानसून की अपेक्षा है, दूरदर्शी मेक्रोइकोनॉमी प्रबंधन सहित युग्म बाह्य क्षेत्र में लचीलापन वर्ष 2011-12 को कार्य करने हेतु एक उज्ज्वल वित्तीय वर्ष के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

2010-11 के दौरान, आपके बैंक ने 5 लाख करोड़ का समिश्र कारोबार के मील के पत्थर को पार कर लिया है। बैंक के वैश्विक कारोबार ने 28.41% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 5,14,040 करोड़ के स्तर पर पहुँच गया है। 31 मार्च 2011 को स्वदेशी कारोबार ₹ 4,18,110 करोड़ पर पहुँच गया और इसमें 26.02% की वार्षिक वृद्धि देखने को मिली। समुद्रपारीय कारोबार 39.87% तक बढ़कर ₹ 96,930 करोड़ तक पहुँच गया है। कठिन नकदी के वर्ष में आपके बैंक ने जमाराशि संग्रहण में अच्छी प्रगति दर्शाई है। बैंकिंग प्रणाली के 15.9% की वृद्धि की तुलना में आपके बैंक की जमाराशि वृद्धि 26.9% रही। इससे जमाराशि के बाजार हिस्सेदारी 4.18% से बढ़कर 4.58% हुई। अग्रिम क्षेत्र में भी, बैंकिंग सिस्टम ने 21.5% की वृद्धि दर्ज की जबकि आपके बैंक में यह वृद्धि 22.9% रही। 2010 में 4.03% की तुलना में 2011 में अग्रिम में हिस्सेदारी बढ़कर 4.07% हुई। पिछले वर्ष की की तुलना में ₹ 61,843 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2011 तक कासा जमाराशि बढ़कर ₹ 73,139 करोड़ रही। बैंक का ग्राहक आधार बढ़कर 45.05 मिलियन हुआ (वर्ष के दौरान 8.08 मिलियन ग्राहक जोड़े)।

तथापि सेवारत तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों हेतु अधिवार्षिकी संबंधित भुगतानों के लिए प्रणाली द्वारा अधिदेशित उच्च प्रावधान, 2010-11 हेतु कुल लाभ 42.94% बढ़कर ₹ 2,489 करोड़ हो गया। यह उच्च लाभ बढ़ते 'एनआईएम' तथा एनपीए के गिरावट की वजह से रहा। घरेलू परिचालनों हेतु एनआईएम वित्तीय वर्ष 2011 में बढ़कर 3.31% हो गया जोकि 2010 में 2.92% था। वैश्विक स्तर पर वित्तीय वर्ष 2010 एनआईएम 2.51% था जो वित्तीय वर्ष 2011

में बढ़कर 2.92% हो गया। बैंक का सकल एनपीए दर 31 मार्च, 2010 के 2.85% की तुलना में 31 मार्च, 2011 में सुधरकर 2.23% रहा तथा शुद्ध एनपीए दर मार्च, 2010 के 1.31% से सुधरकर मार्च, 2011 में 0.91% रहा। वर्ष 2010-11 में न केवल एनपीए स्तर नीचे आया बल्कि बैंक ने प्रावधान कवरेज दर में महत्वपूर्ण सुधार किया। प्रावधान कवरेज दर में 31 मार्च, 2010 के 65.51% से 31 मार्च, 2011 तक 72.18% का दृष्यात्मक सुधार हुआ। कर्मचारी गुणवत्ता के मापन अनुसार, प्रति कर्मचारी कारोबार तथा प्रत्येक कर्मचारी सकल लाभ में भी वर्ष 2011 में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया। पिछले वर्ष के ₹ 1,011 लाख से 31 मार्च, 2011 तक प्रति कर्मचारी कारोबार ₹ 1,284 लाख रहा, सकल लाभ प्रति कर्मचारी पूर्व वर्ष के ₹ 11.86 लाख से 31 मार्च, 2011 तक ₹ 17.89 लाख बढ़ा।

मुझे आपको बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आपके बैंक के निदेशक मंडल ने इस वर्ष 70% लाभांश की घोषणा की है।

आपके बैंक ने वर्ष के दौरान दीर्घकालिक वृद्धि हेतु कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों अर्थात ग्राहक आधार में वृद्धि, सामाजिक जिम्मेदारी मोर्चे पर सेवाएं देने में, अंतर्राष्ट्रीय पहचान का विस्तार जैसी कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं। कुछ पहलों को मैं बताना चाहूंगा -

वर्ष 2010-11 के दौरान प्रारंभ पहलें:

- त्वरित निर्णय सुनिश्चित करने तथा बाज़ार में बैंक को भी प्रतियोगी धार उपलब्ध कराने हेतु आपके बैंक ने अपने कारोबार प्रक्रिया संरचना का पुनर्गठन किया है। पुनर्गठन के परिणामस्वरूप बैंक के संपूर्ण कारोबार को दो स्थूल समूह में वर्गीकृत किया गया है। 'थोक व अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूल' तथा नेशनल बैंकिंग समूह। बृहत कार्पोरेट, मध्य कार्पोरेट, एसएमई, खुदरा और ग्रामीण हेतु पृथक वर्टिकल्स तैयार किए गए। इन वर्टिकल्स की व्यवसायिक वृद्धि एवं सुविधा हेतु आपके बैंक ने वर्ष 2010-11 के दौरान 12 एसएमई शहरी केंद्र, 5 खुदरा कारोबार केंद्र तथा 15 ग्रामीण ऋण प्रसंस्करण हब खोले। यह समस्त प्रसंस्करण केंद्र हमारे टर्नएराउंड समय को कम करने में सहायता करेंगे तथा हमारे परिचालनों को बढ़ाएंगे। वर्तमान वर्ष के दौरान भी ऐसे विशिष्ट केंद्रों को स्थापित करने की योजना है।
- बैंक ने परियोजना वित्त एवं सिंडिकेशन गतिविधि को पुनः सक्रिय करते हुए वर्ष 2011 में पुनः लागू किया। वित्तीय समापन ₹ 27,000 करोड़ की परियोजना लागत एवं ₹ 9,000 करोड़ की सिंडिकेशन ऋण से किया गया।
- आपके बैंक ने वर्ष 2010-11 के दौरान 283 नई शाखाएं खोलीं जिससे घरेलू शाखा नेटवर्क 3490 हुआ। इसी प्रकार, 2010-11 में 605 नए एटीएम स्थापित किए गए हैं जिससे मार्च, 2010 के 820 से एटीएम की कुल संख्या अब 1425 हो गई है।
- आपका बैंक सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने में अग्रणी रहा है। आपके बैंक ने 18 लाख नो-फ्रिल खाते खोले जिसकी संख्या 50 लाख खातों तक पहुंच गई है। बैंक ने 100% वित्तीय समावेशन पूरा कर लिया है। बैंक ने 41 रूडसेटी स्थापित किए हैं। रूडसेटी ने 14645 लोगों को प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया है।
- आपके बैंक ने मानव शक्ति आवश्यकता और उभरती कौशल आवश्यकताओं को पहचानते हुए अतिरिक्त 2896 स्टाफ सदस्यों की भर्ती की तथा 22644 वर्तमान स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षण दिया।
- कारोबार को बढ़ाने तथा ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक ने कई नए उत्पाद और योजनाएँ शुरू की, जैसेः
  - o बीओआई किसान साथी - सांझे बंटाईदार एवं काश्तकार कृषकों के लाभ हेतु लक्षित
  - o "जय जवान" सैलरी प्लस योजना - रक्षा कार्मिकों हेतु वेतन से जुड़ी ऋण योजना
  - o स्टार सुरक्षा एसबी प्लस - दुर्घटना से मृत्यु पर ₹ 50,000/- का निःशुल्क बीमा सहित लाभ।
  - o स्टूडेण्ट्स एटीएम सह-डेबिट कार्ड- "बिंगो" का मुख्य उद्देश्य युवाओं की खरीदारी संबंधी जरूरतों को पूरा करने तथा एटीएम के माध्यम से नकद आहरण की सुविधा उपलब्ध कराना है।

आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 2010-11 में अपने विविध कार्यनिष्पादन हेतु कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। इनमें से कुछ है :

- इकॉनामिक टाइमस तथा नीलसेन कंपनी के 2010 के सर्वे में सर्वाधिक विश्वसनीय ब्राण्डों की श्रेणी में द्वितीय तथा टॉप सर्विस ब्राण्ड में आठवां स्थान।
- दलाल स्ट्रीट द्वारा एफई-ईवाय मोस्ट एफिसिएन्ट पब्लिक सेक्टर बैंक अवार्ड 2010 ।
- श्रेष्ठ कारोबार समर्थता पहल श्रेणी में आईबीए से अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग प्रौद्योगिक पुरस्कार 2010 का विजेता पुरस्कार।
- केवीआईसी उधार के अंतर्गत पीएमईजीपी के लिए श्रेष्ठ बैंक, पश्चिम अंचल के लिए अगस्त 2010 में राष्ट्रीय पुरस्कार।

बैंक में नए संगठनात्मक संरचना के कार्यान्वयन से वर्ष 2010-11 सही तौर पर 'टर्नएराउन्ड का वर्ष' रहा। कारोबार समूह तथा वर्टिकल्स की संरचना से विभिन्न कारोबार समूह पर विशेष ध्यान केन्द्रीत किया जा रहा है। सेवा उन्मुख उद्योग में मानव शक्ति के महत्व को पहचानते हुए बैंक ने बड़ी संख्या में स्टाफ की भर्ती की है तथा प्रशिक्षण दिया है।

ग्राहक की प्राप्ति और नये उत्पाद एवं सेवाएं प्रारंभ करने से प्रोत्साहन मिला है। इन्हे आने वाले वर्षों में जारी रखा जाएगा और बैंक को इसका लाभ मिलेगा।

बैंक निरंतर विकास के लिए और अपने बाजार शेयर में सुधार के लिए सुदृढ़ स्थिति में है।

वर्ष 2011-12 के दौरान आगे बढ़ते हुए, नई शाखाएं खोलने और अतिरिक्त एटीएम स्थापित करते हुए बैंक की, ग्राहकों में पहुँच बढ़ेगी। आपका बैंक वर्ष 2011-12 के दौरान कृषि, एसएमई और मध्य कारपोरेट कारोबार बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करेगा। समावेशीय प्रगति को महत्व मिलता रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में, न्यूज़ीलेंड, युगांडा, कनाडा और बोट्स्वाना के रूप में चार नए केन्द्र जुड़ेंगे।

हमारे बैंक को निदेशक बोर्ड, भारतीय रिज़र्व बैंक तथा भारत सरकार से अत्युत्तम समर्थन और बहुमूल्य मार्गदर्शन मिलता रहा है। हमारे ग्राहकों, शेयरधारकों ने हम पर पूरी आस्था रखी है। यह परिणाम और विकास हमारे प्रतिबद्ध स्टाफ सदस्यों के अथक मेहनत के बिना संभव नहीं था। मैं, बैंक की ओर से, तथा अपनी ओर से सभी पणधारकों को धन्यवाद देता हूँ और भविष्य में आपसे निरंतर प्रश्रय और समर्थन की आशा रखता हूँ ।

शुभकामनाओं सहित,

ए. के. मिश्रा

(आलोक मिश्रा)

दिनांकः 6 जून, 2011

निदेशक रिपोर्ट

31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक मण्डल, अंकेक्षित लेखा विवरण और नकदी प्रवाह विवरण सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट, सहर्ष प्रस्तुत करते हैं।

कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें

वित्तीय मानदण्ड

- परिचालनगत लाभ ₹ 5,384 करोड़।
- शुद्ध लाभ ₹ 2,489 करोड़। पिछले वर्ष की तुलना में 42.94% की वृद्धि दर्ज हुई।
- पूँजी पर्याप्तता अनुपात पिछले वर्ष (बासल II के अंतर्गत) के 12.94% की तुलना में 12.17% रहा।
- निवल मालियत ₹ 15,500 करोड़। मार्च 2010 की तुलना में 24.43% की वृद्धि हुई।

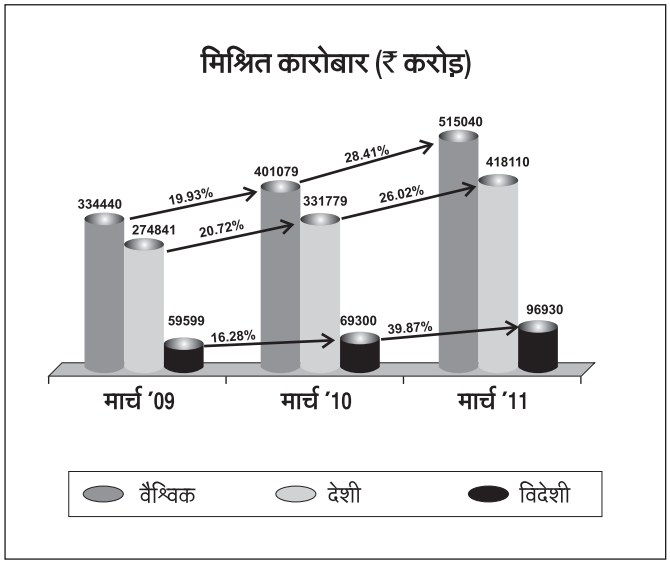

- प्रति शेयर बही मूल्य ₹ 283.24 (पिछले वर्ष ₹ 236.84)
- 31.03.2011 को सकल अनर्जक आस्ति अनुपात 2.23%
- 31.03.2011 निवल अनर्जक आस्ति अनुपात 0.91%
- बैंक का कुल कारोबार (जमा + अग्रिम) ₹ 5,15,040 करोड़ पर जा पहुंचा, इस प्रकार इसमें ₹ 1,13,961 करोड़ (28.41%) की वृद्धि दर्ज हुई। देशी कारोबार में 26.02% की वृद्धि हुई और यह ₹ 418110 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया।
- बैंक की कुल जमा राशियॉ ₹ 69,124 की वृद्धि के साथ ₹ 2,98,886 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई अर्थात् 30.08% की वृद्धि हुई। स्वदेशी जमाराशियों में 28.68% की वृद्धि हुई और ये ₹ 2,52,963 करोड़ तक पहुँच गई। स्वदेशी जमाओं में कम लागत वाली जमाओं का हिस्सा 31.03.2011 को 29.18% है।
- बैंक का कुल सकल ऋण 26.17% वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 2,16,154 करोड़ तक पहुंच गया, जिसमें स्वदेशी ऋण में 22.16% की वृद्धि दर्ज की गई और यह ₹ 1,65,147 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया।
- शुद्ध समायोजित बैंक ऋण का 46.27% भाग प्राथमिकता क्षेत्र उधार का रहा और शुद्ध समायोजित बैंक ऋण में कृषि ऋण का हिस्सा 16.76% रहा।

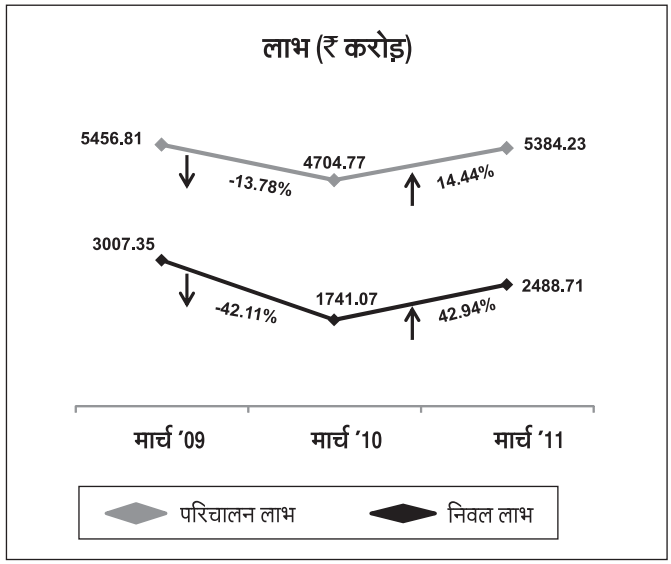

- एसएमई क्षेत्र का ऋण ₹ 29,568 करोड़ से बढ़कर ₹ 35,586 करोड़ हो गया, जिसमें 20.35% की वृद्धि दर्ज की।
- खुदरा ऋण में 5.70% की वृद्धि हुई, जो ₹ 15,750 करोड़ से बढ़कर ₹ 16,649 करोड़ हो गया।
- पिछले वर्ष की तुलना में निर्यात ऋण में ₹ 898 करोड़ अर्थात 13.53% वृद्धि दर्ज हुई।

नये उत्पाद एवं सेवाएं

- विदेशी केन्द्रों पर एनआरई/एनआरओ खाते खोलने के लिए एनआरई ग्राहकों के लिए वेलकम किट की शुरूआत।
- बचत बैंक खातों में ब्याज का परिकलन 1 अप्रैल, 2010 से मासिक उत्पाद से दैनिक उत्पाद आधार में परिवर्तित किया गया है।
- बैंक ने अपनी वेबसाइट क्षेत्रीय भाषा मराठी में शुरू की है।
- वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देश तथा सिफारिशों के अनुसार बैंक की कार्पोरेट वेबसाइट (अंग्रेजी) विकलांग व्यक्तियों के योग्य बनाई गई है।
- बैंक ने बचत बैंक पास बुक (होरिजेंटल फार्मेट) का नया फार्मेट प्रारंभ किया है, जो वर्तमान फार्मेट (वर्टिकल फार्मेट) जहॉ दो पृष्ठों पर विवरण मुद्रित होते हैं, उसकी तुलना में उसी पृष्ठ पर लेन-देन के विवरण मुद्रित करेगा।
- भारतीय बैंकिंग कोड एवं मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई) की आवश्यकतानुसार बैंक पास बुक एवं खातों के विवरण पर हेल्प लाईन नंबर मुद्रित करेगा।
- बैंक ने नामे सह-एटीएम कार्ड के लिए इन्स्टा-पिन जारी करना प्रारंभ किया है। इससे ग्राहक की रि-पिन प्राप्त न होने की शिकायतें दूर होंगी और साथ ही रि-पिन सृजित करने और मेल भेजने के प्रयास और खर्च में बचत होगी।
- डायमंड ग्राहकों को खाते का तिमाही समेकित विवरण पीडीएफ फार्मेट में ई मेल के माध्यम से भेजा जाता है।
- धोखाधड़ी निवारण के उपाय के रूप में एसएमएस अलर्ट - स्टार संदेश सृजित किया जाता है और सभी ग्राहकों को जिन्होंने सभी डिलीवरी

चैनल से (इंटरनेट बैंकिंग/एटीएम/पीओएस) सभी नामे लेन-देन, ₹ 25,000/- और उससे अधिक के सभी नामे समाशोधन लेन-देन, ग्राहक प्रवृत्त सभी नामे अंतरण एवं ₹ 10,000/- और उससे अधिक के नकद भुगतान, ₹ 10,000/- और उससे अधिक के सभी नामे ईसीएस लेन-देन, सभी नामे आरटीजीएस लेन-देन और चेक बुक जारी करने के निवेदन स्वीकार करने पर पावती के लिए बैंक के पास मोबाइल नम्बर रजिस्टर्ड कराये हैं।

- इंटरनेट बैंकिंग ग्राहकों को ऑन लाईन मीयादी जमा करने की सुविधा।
- इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड का उपयोग करने वालों के लिए हॉट लिस्टिंग/ रिसेट/अनलॉक/नामे सह एटीएम कार्ड पिन बदलने की सुविधा।
- वार्षिक कर विवरण देखना (फार्म 26 ए एस)
- स्टार ई ट्रेड - ऑन लाईन शेयर ट्रेडिंग - गुप्ता इक्विटी के साथ एकीकरण।
- बैंक का नामे सह-एटीएम कार्ड रखने वाले ग्राहकों के लिए ऑन लाईन ई-भुगतान की सुविधा का विस्तार किया गया है। इससे ग्राहक क्रेडिट कार्ड एवं इंटरनेट बैंकिंग खातों के अलावा अपने डेबिट कम एटीएम कार्ड का ई भुगतान के लिए उपयोग कर सकेंगे।
- डिलीवरी चैनल के नवीनतम विकल्प के रूप में मोबाइल बैंकिंग सुविधा आरंभ की गई है जो वस्तुतः ग्राहकों को किसी भी समय कहीं से भी मोबाइल फोन की सुविधा से बैंकिंग गतिविधियों को स्वीकार करती है। यह सुविधा सभी खुदरा इंटरनेट बैंकिंग ग्राहकों को दी गई है और इसमें जमा शेष पूछताछ, अंतिम पॉच लेन-देन, चेक की स्थिति, निधि अंतरण एवं मोबाइल भुगतान जैसी विशेषताएं शामिल हैं।
- बैंकों के बीच स्टार कनेक्ट इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से आरटीजीएस/एनईएफटी के उपयोग से ऑन-लाईन निधि अंतरण।
- आटो पे के लिए बीओआई स्टार ई भुगतान या विभिन्न उपयोगी सेवाओं/ बिलों का ऑन-लाइन भुगतान।
- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद एवं सेवा कर के लिए ई भुगतान।
- शेयरों में व्यापार के लिए स्टार ई-शेयर व्यापार।
- ई-भाड़ा भुगतान।
- विदेशी व्यापार लाइसेंस फीस महानिदेशक (डीजीएफटी) का ऑन लाइन भुगतान।
- रेल्वे एवं हवाई जहाज की टिकटों की ऑन लाईन बुकिंग।
- शिक्षा ऋण के लिए ऑन लाइन आवेदन।
- किसी भी डीपीओ में खाता रखने वाले खुदरा इंटरनेट बैंकिंग ग्राहक द्वारा आईपीओ निर्गमों के लिए अवरूद्ध आवेदन की बोली सह आवेदन पत्र (आसबा) ऑन लाइन करने की सुविधा।

कारोबार पहल

- विकास की महत्वाकांक्षा को ध्यान में रखते हुए बैंक ने एक नया महत्वाकांक्षी लक्ष्य संकल्प 10,000 आरंभ किया है। इसके तीन आधार स्तम्भ है ग्राहक प्रथम, विजेता टीम का निर्माण एवं श्रेष्ठ कार्य निष्पादन प्रेरणा संस्कृति।
- संकल्प परियोजना के अंतर्गत सितंबर 2010 में बैंक के संगठनात्मक संरचना की पुनः रूपरेखा तैयार की गई है। प्रत्येक कारोबार खण्ड पर और ध्यान केन्द्रित करने के लिए स्पष्ट रूप से कारोबार का दो अलग समूहों में विभाजन किया गया है, जैसे कि (क) नेशनल बैंकिंग समूह और (ख) थोक और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह। बैंक के दो कार्यपालक निदेशक इन दो समूहों के प्रमुख हैं।
- नेशनल बैंकिंग समूह (प्रधान कार्यालय) - नेशनल बैंकिंग समूह (प्रधान कार्यालय) में ग्रामीण बैंकिंग, वित्तीय समावेशन, खुदरा बैंकिंग और एसएमई बैंकिंग कारोबार इकाई का समावेश है।
- थोक एवं अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (प्रधान कार्यालय) थोक एवं अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह में बृहत कार्पोरेट बैंकिंग, मध्य कार्पोरेट बैंकिंग, परियोजना वित्त, लेन-देन बैंकिंग, अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग और कोषागार सम्मिलित हैं।
- मध्य कार्पोरेट और बृहत कार्पोरेट शाखाओं के सभी खातों की संबंधित शाखा आरएसएम के साथ व्यवस्था की गई है।
- सोलह ग्रामीण ऋण प्रसंस्करण केन्द्र (सीपीसी) बेलगॉव, उज्जैन बाराबंकी, मेहसाना, लुधियाना, कराड, अमलापुरम, तंजावुर, बारासत, हरदोई, सातारा, नादियाद, रत्नागिरी, नासिक, सोलापुर में आरंभ किए गए हैं।
- बृहत और मध्यम किसानों तथा उच्च ऋण गुणवत्ता वाली बड़ी संस्थाओं को लक्ष्य बनाकर 19 अंचलों में कुल मिलाकर 40 केन्द्रीभूत जिलों को अभिनिर्धारित किया गया है।
- 5 अभिनिर्धारित अंचलों अर्थात बेंगलोर, चण्डीगढ़, मुंबई दक्षिण, नई दिल्ली और पुणे में 14.01.2011 को पायलट आधार पर पॉच नये खुदरा कारोबार केन्द्र खोले गए हैं।
- 14 दिसंबर, 2010 को अहमदाबाद, कोयम्बत्तूर, कोलकाता, लुधियाना और पुणे में पॉच एसएमई सिटी सेन्टर खोले गए थे, उसके बाद से बेंगलोर, चण्डीगढ़, हैदराबाद, नई दिल्ली और वड़ोदरा में पॉच और एसएमई सिटी सेन्टरों ने कार्य करना प्रारंभ किया है।
- एर्नाकुलम, अंधेरी और सीप्झ में मध्य कार्पोरेट शाखाएं खोली गई हैं।
- 10 मध्य कार्पोरेट सीपीसी ने कार्य करना आरंभ किया है।
- मुंबई (नरीमन प्वाइंट) और हैदराबाद में बृहद कार्पोरेट शाखाएं खोली गई हैं।
- सर्जन ट्रैक और अग्रता की निगरानी के लिए अग्रणी प्रबंधन प्रणाली (बिक्री दल स्वचलन) को पुनः परिवर्तित किया गया है।
- वित्तीय समावेशन को बैंक सामाजिक उद्देश्य के रूप में मानता है और इसे कार्यान्वित करने के अभियान के रूप में सभी बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं को उन तक ले जा रहा है, जो इन सेवाओं से वंचित हैं। वित्तीय समावेशन की प्राप्ति के प्रथम प्रयासों में अब तक नो-फ्रिल खाते खोलना था और तदनुसार बैंक ने 50.07 लाख नो-फ्रिल खाते खोले हैं।
- बैंक, हैंड हेल्ड डिवाइस का उपयोग करते हुए शुरू से लेकर अंतिम आधार तक सूचना प्रौद्योगिकी समाधान भी कार्यान्वित कर रहा है। बैंक ने 6.01 लाख स्मार्ट कार्ड जारी किए/खोले हैं।
- परियोजना वित्त और समूहन समूह : यह तकनीकी मूल्यांकन के सौंपे गए कार्य, हामीदारी और ऋण के समूहन की जिम्मेदारी लेता है। वित्तीय वर्ष के दौरान ₹ 26,901 करोड की परियोजना लागत और ₹ 9,008 करोड़ के सामुहिक ऋण के साथ 11 वित्तीय समापन किए गए। कैलेंडर वर्ष 2010 के

लिए ब्लूमबर्ग लीड टेबल के अनुसार बैंक ऑफ़ इंडिया ने समूहन के बीच छठवाँ स्थान प्राप्त किया।

- बैंक ने खण्ड की विशिष्ट कारोबार आवश्यकताओं का प्रबंधन करने के लिए नये एसएमई वर्टिकल निर्मित किए हैं, जिसके महाप्रबंधक प्रमुख हैं। ₹ 100 करोड़ तक के टर्नओवर के साथ सभी कारोबार गतिविधियों को शामिल करने के लिए एसएमई कारोबार के लिए और अधिक समावेशी परिभाषा दी गई है। यह वर्टिकल न केवल ऋण, बल्कि कासा, खुदरा कारोबार, शुल्क आधारित आय और एसएमई खण्ड में तीसरे पक्ष के उत्पादों की वृद्धि को भी देखेंगे।
- डिलीवरी चैनल के नवीनतम विकल्प के रूप में मोबाइल बैंकिंग सुविधा आरंभ की गई है जो वस्तुतः ग्राहकों के किसी भी समय कहीं से भी मोबाइल फोन की सुविधा से बैंकिंग गतिविधियों को स्वीकार करती है। यह सुविधा सभी खुदरा इंटरनेट बैंकिंग ग्राहकों को दी गई है और इसमें जमा शेष पूछताछ अंतिम पाँच लेन-देन, चेक की स्थिति, निधि अंतरण एवं मोबाइल भुगतान जैसी विशेषताएं शामिल हैं।
- एनआरआई ग्राहकों से संबंधित कुछ गतिविधियों को केन्द्रीकृत करने के लिए वैश्विक धन-प्रेषण केन्द्रों की स्थापना की गई है जो यथाशीघ्र उत्पादों की सुपुर्दगी करेंगे और सक्रिय विपणन योजना एवं शिकायत निवारण तंत्र का कार्य भी शीघ्र कर सकेंगे।

पुरस्कार एवं प्रशंसाएं :

- बैंक ऑफ़ इंडिया को वर्ष 2009 के लिए बैंकिंग प्रौद्योगिकी में अपने कार्य-निष्पादन की पहचान को श्रेष्ठ कारोबार योग्य बनाने की पहल के वर्ग में आईबीए से अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग टेक्नालॉजी अवार्ड 2010 के लिए विजेता पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- दलाल स्ट्रीट द्वारा एफई-ईवाय मोस्ट एफिसिएन्ट पब्लिक सेक्टर बैंक अवार्ड 2010
- बैंक ऑफ़ इंडिया, मुंबई उत्तर अंचल को राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन के लिए भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग से तृतीय पुरस्कार।
- बैंक ऑफ़ इंडिया को राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए महाराष्ट्र राज्य स्तर बैंकर्स समिति से प्रोत्साहन पुरस्कार।
- केवीआईसी उधार के अंतर्गत पीएमईजीपी के लिए श्रेष्ठ बैंक, पश्चिम अंचल के लिए अगस्त 2010 में बैंक को राष्ट्रीय पुरस्कार।
- बैंक को इकॉनॉमिक टाइम्स/नीलसेन कंपनी के सर्वे में निम्नानुसार "सर्वाधिक विश्वसनीय ब्रॉंड" (एमटीबी) 2010 के रूप में श्रेणीकृत किया गया।
  - पीएसयू बैंकिंग वर्ग के अंतर्गत - एसबीआई के बाद 2 रा
  - शीर्ष सेवा ब्रॉंड के अंतर्गत - 8 वां

वित्तीय समीक्षा

वित्तीय कार्य-निष्पादन

बैंक ने ₹ 5384.23 करोड़ का परिचालन लाभ दर्ज किया (पिछले वर्ष ₹ 14.44%) की वृद्धि निवल लाभ ₹ 2488.71 करोड़ रहा। (पिछले वर्ष ₹ 42.94% करोड़)।

मिश्र कारोबार में 28.41% (₹ 401078.83 करोड़ से ₹ 515040.06 करोड़) के सुदृढ़ कारोबार वृद्धि के कारण निवल ब्याज आय में 35.70% की वृद्धि हुई। गैर-ब्याज आय में 0.96% की वृद्धि हुई और पिछले वर्ष के 71.34% की तुलना में परिचालनगत 52.12% व्यय कवर हुआ।

वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक के वित्तीय कार्य-निष्पादन का सारांश निम्नलिखित है :

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	2009-10	2010-11	वृद्धि (%)
निवल ब्याज आय	5,755.94	7,810.69	35.70
गैर ब्याज आय	2,616.64	2,641.77	0.96
परिचालन व्यय	3,667.81	5,068.24	38.18
परिचालन लाभ	4,704.77	5,384.23	14.44
प्रावधान/आकस्मिकताएं	2,963.70	2,895.52	-2.30
निवल लाभ	1,741.07	2,488.71	42.94
प्रति शेयर अर्जन (₹)	33.15	47.35	42.84
प्रति शेयर बही मूल्य (₹)	236.84	283.24	19.59
औसत निवल मालियत पर प्रतिलाभ (%)	14.76	8.90	–
औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (%)	0.70	0.82	–

कुछ वित्तीय अनुपात नीचे प्रस्तुत किए गए है :

(प्रतिशत) (%)

मानदण्ड	2009-10	2010-11
अग्रिम पर आय	8.42	8.62
निवेश पर आय	7.46	7.59
निधियों पर आय	7.14	7.14
जमा राशियों की लागत	5.16	5.03
निधियों की लागत	4.84	4.57
निवल ब्याज मार्जिन	2.51	2.92
परिचालन व्ययों के प्रति गैर ब्याज आय	71.34	52.12
औसत कार्यशील निधि के प्रति अन्य आय	1.05	0.87
औसत कार्यशील निधि के प्रति परिचालन व्यय	1.47	1.66
औसत कार्यशील निधि के प्रति स्टाफ व्यय	0.92	1.14
औसत कार्यशील निधि के प्रति अन्य परिचालन व्यय	0.55	0.52
आस्ति उपयोग अनुपात	1.88	1.77
कुल आय के प्रति गैर ब्याज आय	12.77	10.83
निवल आय के प्रति गैर ब्याज आय	31.25	25.27
कुल आय के प्रति लागत	43.81	48.49

खण्डवार कार्य-निष्पादन

वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक ने ₹ 5384.23 करोड़ का परिचालन लाभ अर्जित किया है। इसमें कोषागार का योगदान ₹ 371.38 करोड़ का रहा और अन्य बैंकिंग परिचालन से ₹ 5161.12 करोड़ का लाभ अर्जित किया। वर्ष 2010-11 में अविनोज्य व्यय, अविनोज्य आय को कम कर ₹ 148.27 करोड़ रहा।

लाभांश

वर्ष के लिए ₹ 7 प्रति शेयर (70%) की दर से लाभांश घोषित किया गया। कुल लाभांश भुगतान की राशि ₹ 444.29 करोड़ है। (लाभांश वितरण कर सहित)

पूँजी

वित्तीय वर्ष 2010-11 में बैंक की मालियत ₹ 12456 करोड़ से बढ़कर ₹ 15499.5 करोड़ हुई। वर्ष के दौरान बैंक ने भारत सरकार को प्रति ₹ 10 के, ₹ 474.07 प्रति शेयर के मूल्य पर 2,13,04,870 के इक्विटी शेयर अधिमानी आधार पर जारी किए गए, जैसा कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 2009 के विनियम 76(1) (पूंजी निर्गम और आवश्यकता प्रकटीकरण) के अनुसार हुई असाधारण आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया। इस खाते में बैंक को प्राप्त हुई राशि ₹ 1010 करोड़ है। परिणामस्वरूप भारत सरकार की शेयरधारिता 64.67% से 65.86% तक बढ़ गई है।

पूँजी पर्याप्तता

बासेल II फ्रेमवर्क के अनुसार वर्ष के दौरान पूँजी पर्याप्तता अनुपात 12.17% रहा जो कि नियामक आवश्यकता से 10% उच्चतर था।

पूँजी पर्याप्तता के विवरण निम्नानुसार दर्शाए गए हैं :

(₹ करोड़ में)

विवरण (बासल II के अंतर्गत)	31.03.2010		31.03.2011	
	राशि	सीआरएआर (%)	राशि	सीआरएआर (%)
टियर I पूँजी	13,725	8.48	17,047	8.33
टियर II पूँजी	7,218	4.46	7,867	3.84
कुल पूँजी	20,943	12.94	24,914	12.17
जोखिम भारित आस्तियॉ	1,61,857	–	2,04,762	–

उधार

बैंक ने प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए परपेचुअल एवं मिडियम टर्म नोट (एमटीएन) और ओवरसीज उधार के जरिये गौण ऋण सृजित किया है। वर्ष 2010-11के दौरान बैंक ने आईपीडीआई के इश्यू द्वारा ₹ 300 करोड़ एवं अपर टियर-II लिखत द्वारा ₹ 1000 करोड़ जुटाए हैं। बैंक ने ₹ 450 करोड़ के गौण टियर-II बॉन्ड का मोचन किया हैं।

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

समग्र परिवेश

वैश्विक अर्थव्यवस्था परिदृश्य

वर्ष 2010, विश्व अर्थ व्यवस्था के लिए वर्ष 2009 के नकारात्मक 0.8% से 5% की वृद्धि के उछाल का साक्षी रहा है। 2010 में उन्नत और उभरते दोनों देशों में संवृद्धि संकट-पूर्व स्तर पर लौट आई। वर्ष 2010 में अभूतपूर्व मौद्रिक और राजकोषीय प्रोत्साहन ने यूएस में संवृद्धि को संकट पूर्व स्तर तक आगे बढ़ाने में सहायता की। 2010 में जर्मनी और फ्रांस को छोड़कर यूरो क्षेत्र में संवृद्धि धीमी रही। उभरती हुई और उन्नतिशील अर्थ व्यवस्थाओं में वर्ष 2009 में जो संवृद्धि 2008 के 6.1% से घटकर 2.6% हो गई थी। 2010 में फिर से 7.1% की गति प्राप्त कर ली। 2010 के मध्य के दौरान वौश्विक वित्तीय बाजार की स्थितियों में सुधार होना प्रारंभ हो गया है। परंतु क्षेत्रीय तथा आंचलिक संवेदनशीलता अभी भी व्याप्त है। इक्विटी बाजार मजबूत हुआ है, अस्थिरता घटी है। यद्यपि, छोटे तथा मझोले आकार की कार्पोरेट फर्मों के लिए संस्थागत उधार में सुधार हुआ है और जोखिम मार्जिन मजबूत होना शुरू हो गई है। किंतु 2010 के बाद के हिस्से में यूरो क्षेत्र में फिर से सरकार द्वारा गारंटीकृत ऋण संबंधी जोखिम ऊपर आए हैं और परिणामस्वरूप सरकारी प्रतिभूतियों में उच्चतर लाभ मिला है।

2011-12 में वैश्विक अर्थ व्यवस्था की संभावना

खाद्य, तेल और वस्तुओं के उच्च मूल्य जो उभरते देशों के लिए चिंता का विषय रहा है, उसमें और विस्तार हुआ है और जिसके कारण सस्ती मुद्रा नीति पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है, जो विकसित देशों में भी जारी है। विकासशील और विकसित देशों द्वारा की गई मौद्रिक कार्यवाही के बावजूद 2011 में संवृद्धि की गति अन्य प्रतिवात पर भी निर्भर होगी। संक्षेप में जापान के कहर का विकास संभावना पर न केवल घातक प्रभाव पडेगा, बल्कि 2011 में वैश्विक आपूर्ति कड़ी में आगामी विघटन से कुछ मूलाधार प्रसंग दस्तक देंगे। मध्य पूर्व में राजनीतिक स्थिति परिवर्तनीय बनी रहेगी और सामाजिक अशान्ति के कारण महत्वपूर्ण उत्पादक ऑफ लाईन हो जाते हैं तो तेल की कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। इसके अलावा यूरोप में सरकारी ऋण संकट बना रह सकता है। यह उम्मीद की जाती है कि वैश्विक आर्थिक संभावना सकारात्मक बनी रहेगी और संवृद्धि 2011 में धीमी रहेगी किंतु उन्नत और उभरती अर्थ व्यवस्था दोनों में स्थिर और संभाव्य वृद्धि दर के निकट होगी। 2011 में उन्नत और राष्ट्रों के उभरते समूह दोनों में वृद्धि की धीमी गति के साथ अनुमानित वैश्विक संवृद्धि 2010 के 4.4% की तुलना में धीमी रहेगी।

घरेलू अर्थ व्यवस्था परिदृश्य

भारतीय अर्थ व्यवस्था की संवृद्धि 2008-09 में 6.8% और 2009-10 में 8% से 2009-10 के अपने संकट पूर्व वृद्धि स्तर से बढ़कर 2010-11 में 8.6% हो गई। उस समय संवृद्धि का स्पष्ट आधार भी था। वर्ष 2010-11 में कृषि जिसने 0.4% की बहुत ही कम वृद्धि दर्शाई थी 2010-11 में सामान्य मानसून के कारण 5.4% के स्तर को पुनः प्राप्त कर लिया। उद्योग ने 2009-10 के 8% की तुलना में 2010-11 में 8.1% की अपनी गति को जारी रखा। सेवा क्षेत्र की संवृद्धि 2009-10 में देखे गए 10.1% से 2011 में सीमांत रूप से 9.6% तक घटी है। इसके अलावा 2010-11 में इस उच्च वृद्धि को न केवल घरेलू मांग से बल्कि समान रूप से मजबूत बाहरी मांग से भी समर्थन मिला। वर्ष 2010-11 के दौरान भारतीय निर्यात में 37.5% की वृद्धि हुई। वर्ष 2010-11 महत्वपूर्ण राजकोषीय समेकन के लिए उल्लेखनीय रहा। 2010-11 में कर और गैर कर राजस्व दोनों में प्रभावशाली वृद्धि ने बजट में दिए गए 5.5% राजकोषीय घाटे को 5.1% तक नियंत्रित रखने में सरकार की सहायता की। यह वर्ष महत्वपूर्ण विदेशी संस्थागत निवेशक प्रवाह का साक्षी रहा और अर्थ व्यवस्था में विदेशी संस्थागत निवेशकों की यूएस $ 23 बिलियन मालियत जुड़ी विदेशी संस्थागत निवेशकों के आगमन से अप्रैल 2010 और मार्च 2011 के दौरान सेंसेक्स 11% बढ़ा। निवेशकों के बीच भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के प्रति सकारात्मक विचार के कारण बैंकेक्स ने 24% की और भी ऊँचाई को छूआ।

उच्चतर संवृद्धि के साथ अर्थ व्यवस्था संपूर्ण वर्ष उच्च स्तर की मुद्रास्फीति की साक्षी रही। वर्ष 2010-11 के अधिकांश भाग में खाद्य मदों जैसे कि फल एवं सब्जियॉं और प्रोटीन प्रचुर खाद्य उत्पादों में कमजोर आपूर्ति समर्थन से मुद्रा स्फीति बनी रही और मौसम के उतार-चढ़ाव ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया। मुद्रास्फीति लगातार उच्च स्तर पर होने के कारण भारतीय रिज़र्व बैंक को तत्काल मुद्रास्फीति रोकने और मुद्रास्फीति को निरूत्साहित करने के लिए अप्रैल 2010 के प्रारंभ से 8 बार नीति दर में वृद्धि करनी पड़ी। तथापि, मार्च 2011 के वास्तविक मुद्रास्फीति अंक भारतीय रिज़र्व बैंक के मुद्रास्फीति लक्ष्य 8% की तुलना में और भी उच्चतर 8.98% हो गया।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने विदेशी मुद्रा बाजार में तटस्थता का रूख अपनाया और वर्ष के दौरान डालर की तुलना में रुपये में 1.1% की मूल्य वृद्धि हुई। देश की आरक्षित विदेशी मुद्रा में यूएस$ 28 बिलियन की वृद्धि हुई और यह यूएस $ 305 बिलियन पहुंच गई। 2010-11 का चालू खाता घाटा, जिसका प्रारंभ में सकल घरेलू उत्पाद के 3% से अधिक का अनुमान था, अंतिम राजकोषीय तिमाही में दर्ज की गई अधिकतम निर्यात वृद्धि से सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2.5% तक रुकने की उम्मीद है।

भारत की अर्थ-व्यवस्था संभावना

प्रगति की ओर अग्रसर, सरकार के पूर्वानुमान के अनुसार वर्ष 2011-12 के दौरान अर्थ-व्यवस्था ने 8.75% से 9.25% की श्रेणी के भीतर वृद्धि की संभावना है। मुद्रास्फीति में सहायक आपूर्ति समर्थन के अंतर्राष्ट्रीय दबाव जनवरी 2011 से घटने प्रारंभ हो गए हैं। तथापि, पिछले दो महीनों में मुद्रास्फीति पर देखे गए मांग समर्थन दबाव के चलते कच्चे तेल और वस्तुओं की बढ़ती दुगनी कीमत ने वर्ष 2011-12 में बनाए रखने लायक वृद्धि के लिए मुद्रास्फीति प्रबंधन को प्रमुख बना दिया है। मूल मुद्रास्फीति, जो मांग समर्थन दबाव और मौद्रिक नीति निरूपण का मार्गदर्शन करती है, मार्च 2011 में 7.1% की वृद्धि हुई। हितकर आधारभूत प्रभाव के बावजूद मूल मुद्रास्फीति के उच्च स्तर पर बने रहने के